चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : 2024-28

समाजशास्त्र विभाग कोर्स करिकुलम

खण्ड-अ : परिचय

कार्यक्रम: बैचलर इन आर्ट्स (सर्टिफिकेट / डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स)	सेमेस्टर -II	सत्र :2024-25

विषय : समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रम कोड	SOSC-02
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	भारत में परिवर्तनशील सामाजिक संस्थाएँ (Changing Social Institutions in India)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	DSC डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो तो)	कार्यक्रम अनुसार
5	लर्निंग आउटकम (CLO)	कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हो सकेंगे- • विद्यार्थीयों को भारतीय समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी होगी। • विद्यार्थी भारतीय सामाजिक संरचना के पूर्व एवं वर्तमान स्थिति से परिचित होंगे। • यह पाठ्यक्रम भारतीय समाज के प्रमुख मुद्दों को समझने में सहायक होगा। • यह पाठ्यक्रम ग्रामीण संरचना, विकास और मुद्दों की ज़ानकारी होगी। • विद्यार्थी भारत की सामाजिक समस्याओं की जानकारी होगी।
6	क्रेडिट महत्व	04 — क्रेडिट = 15 घण्टे का अध्ययन/प्रशिक्षण/पर्यवेक्षण
7	कुल अंक :	अधिकतम अंक :100 — न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 40

खण्ड-ब : कोर्स की विषय-वस्तु

कुल अध्यापन कालखण्ड (1 घण्टा प्रति कालखण्ड) 60 कालखण्ड (60 घण्टे)

इकाई	विषय-वस्तु	कुल कालखण्ड की संख्या
इकाई-I प्राचीन भारत : समाज एवं परिवर्तन	1. प्राचीन भारतीय समाज और परिवर्तन 2. आश्रम, पुरुषार्थ 3. कर्म: पूर्व और वर्तमान की स्थिति 4. जाति और वर्ण की अवधारणा	15
इकाई-II भारतीय सामाजिक संरचना में परिवर्तन	1. परिवार की अवधारणा और इसकी बदलती प्रकृति 2. विवाह और उसकी चुनौतियाँ 3. नातेदारी: सिद्धांत और स्वरूप 4. जजमानी और कृषक संबंध	15
इकाई-III ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था	1. ग्रामीण विकास और परिवर्तन 2. ग्रामीण प्रवासन एवं शहरीकरण 3. ग्रामीण समाज में धार्मिकता एवं अंधविश्वास 4. कृषकों की समस्याएँ	15
इकाई-IV भारत में सामाजिक मुद्दे	1. गरीबी और बेरोजगारी : कारण एवं निदान 2. भ्रष्टाचार की समस्या : कारण एवं निदान 3. नशीले पदार्थों का सेवन : प्रकार कारण और निवारण 4. साइबर अपराध के प्रकार: कारण एवं निदान	15

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल)

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : 2024-28

समाजशास्त्र विभाग कोर्स करिकुलम

खण्ड-अ : परिचय

कार्यक्रम: बैचलर इन आर्ट्स (डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स)		सेमेस्टर -IV	सत्र : 2025-26
विषय : समाजशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम कोड	SOSC-04	
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	सामाजिक समस्याएं एवं सामाजिक परिवर्तन (Social Problems and Social Change)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार	DSC डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो तो)	कार्यक्रम अनुसार	
5	लर्निंग आउटकम (CLO)	**कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हो सकेंगे-** • विद्यार्थी भारत में सामाजिक समस्याओं के कारणों और पृष्ठभूमि को समझ सकेंगे। • विद्यार्थी समाज की समस्याओ का समाधान करने में सक्षम होंगे। • सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को समझने एवं अपनाने की प्रवृत्ति विकसित होगी। • समाज के लोगों की समस्याओं को समझकर उसका निदान करने में सक्षम होंगे।	
6	क्रेडिट महत्व	04	क्रेडिट = 15 घण्टे का अध्ययन/प्रशिक्षण/पर्यवेक्षण
7	कुल अंक :	अधिकतम अंक :100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 40

खण्ड-ब : कोर्स की विषय-वस्तु

कुल अध्यापन कालखण्ड (1 घण्टा प्रति कालखण्ड) 60 कालखण्ड (60 घण्टे)

इकाई	विषय-वस्तु	कुल कालखण्ड की संख्या
इकाई-I सामाजिक समस्याओं की अवधारणा	1. सामाजिक समस्याएँ: अवधारणा स्त्रोत एवं प्रकार। 2. सामाजिक समस्याएँ : कारण एवं निवारण । 3. सामाजिक संघर्ष : प्रकार एवं सिद्धांत । 4. किशोर अपराध : प्रकार, कारण और निवारण ।	15
इकाई -II भारत में सामाजिक समस्याएँ	1. संरचनात्मक समस्याएँ: गरीबी क्षेत्रीय असमानता, जातिगत असमानता की समस्या की अवधारणा। 2. महिलाओं एवं युवाओं की समस्या । 3. मादक द्रव्य व्यवसन एवं मद्यपान : कारण निदान। 4. बाल श्रमिक एवं मानव तश्करी : कारण निदान ।	15
इकाई -III भारत में सामाजिक परिवर्तन	1. सामाजिक परिवर्तन : प्रकार एवं प्रमुख कारण । 2. सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत । 3. सामाजिक परिवर्तन एवं विकास । 4. भारत में सामाजिक परिवर्तन के विकास में अवरोध ।	15
इकाई -IV सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया	1. नगरीकरण : प्रकृति, कारण एवं समस्या । 2. आधुनिकीकरणः प्रभाव, कारण, भारतीय परंपरा का । आधुनिकीकरण । 3. औद्योगीकरणः आर्थिक प्रभाव एवं पर्यावरणीय प्रभाव। 4. पश्चिमीकरणः कारण और प्रभाव ।	15

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल)

(1) (2) 10-6-2024 (3) (4) 10-6-24 (5) 10-6-24 (6) सपना (7)

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम : 2024-28

समाजशास्त्र विभाग कोर्स करिकुलम

खण्ड-अ : परिचय

कार्यक्रमः बैचलर इन आर्ट्स (डिप्लोमा / डिग्री / आनर्स)		सेमेस्टर -IV	सत्र :2024-25
विषय : समाजशास्त्र			
1	पाठ्यक्रम कोड	SOSE-02	
2	पाठ्यक्रम शीर्षक	पर्यावरण और समाज (Envoirenment and Socioty)	
3	पाठ्यक्रम का पकार	DSE	
4	पूर्वापेक्षा (यदि कोई हो तो)	कार्यक्रम अनुसार	
5	लर्निंग आउटकम (CLO)	कोर्स पूरा होने के बाद विद्यार्थी निम्नलिखित उद्देश्यों को पूर्ण करने में सक्षम हो सकेंगे- • यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरण, सतत विकास और संसाधन प्रबंधन के मुद्दों पर एक ठोस वैचारिक और सैद्धांतिक और अनुभवजन्य पृष्ठभूमि प्रदान करेगा। • यह पाठ्यक्रम उन्हें पर्यावरण के समग्र क्षेत्र में शोध के लिए तैयार करेगा। • विद्यार्थी पर्यावरण और समाज पर वार्तालाप कर मुख्य अवधारणाओं, सिद्धांतों और प्रमुख प्रथाओं को समझने की जानकारी होगी। • यह पाठ्यक्रम समाज द्वारा प्रकृति पर उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रतिमानों और विचारों की गहरी समझ विकसित करेगा। • यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को पर्यावरण आंदोलन और संसाधन प्रबंधन पर वर्तमान सैद्धांतिक और अनुभवजन्य मुद्दों को समझने में सहायक होगा।	
6	क्रेडिट महत्व	04	क्रेडिट = 15 घण्टे का अध्ययन/प्रशिक्षण/पर्यवेक्षण
7	कुल अंक :	अधिकतम अंक :100	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 40

खण्ड-ब : कोर्स की विषय-वस्तु

कुल अध्यापन कालखण्ड (1 घण्टा प्रति कालखण्ड) 60 कालखण्ड (60 घण्टे)

इकाई	विषय-वस्तु	कुल कालखण्ड की संख्या
इकाई -I पर्यावरण की अवधारणा	1. पर्यावरण : अवधारणा एवं महत्व । 2. पारिस्थितिकी की उद्देश्य, कार्य एवं महत्व । 3. पारिस्थितिकी तंत्र : मानवीय कारण एवं प्रभाव । 4. जैव विविधता : प्रकार, महत्व एवं प्रभाव।	15
इकाई -II सैद्धांतिक दृष्टिकोण	1. पारिस्थितिकः सिद्धांत एवं महत्व । 2. गांधीवादी विचारधाराः सिद्धांत एवं महत्व । 3. इको नारीवादः उद्देश्य एवं महत्व । 4. मानवकेंद्रित दर्शन एवं नैतिकता ।	15
इकाई -III पर्यावरण संरक्षण की पहल	1. पर्यावरण संरक्षण : उद्देश्य एवं महत्व । 2. पर्यावरण संरक्षण में भारत की भूमिका । 3. पर्यावरण संरक्षण के कारण एवं उपाये । 4. सतत् विकास के लिए पर्यावरण संरक्षण पहल ।	15
इकाई -IV विभिन्न आंदोलन और अधिनियम	1. पर्यावरण आनदोलन : उद्देश्य एवं कारण । 2. पर्यावरण आनदोलन का विकास एवं प्रभाव । 3. पर्यावरण आंदोलनः चिपको आंदोलन, नर्मदा बचाओ आंदोलन, जंगल बचाओ आंदोलन। 4. भारत में विभिन्न पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और कानून ।	15

हस्ताक्षर, सदस्य एवं संयोजक (केन्द्रीय अध्ययन मंडल)

(1) (2) 10-6-24 (3) (4) 10-6-24 (5) (6) कल्पना (7)